दैनिक

न्याय साक्षी

अधिकार से न्याय तक

आवश्यक सूचना

आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्यायसाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 | Postal Registration No-055/Raigarh DN CG | रायगढ़, शुक्रवार, 25 मार्च 2022 | पृष्ठ-4, मूल्य 3 रुपए | वर्ष-04, अंक- 175

महत्वपूर्ण एवं खास

थोकचोम सत्यव्रत चुने गए मणिपुर विधानसभा के अध्यक्ष

इम्फाल (आरएनएस)। थोकचोम सत्यव्रत सिंह गुरुवार को मणिपुर विधानसभा के निर्विरोध अध्यक्ष चुने गए। सत्यव्रत ने हाल के चुनावों में भाजपा उम्मीदवार के रूप में दूसरी बार यास्कुल विधानसभा क्षेत्र से जीत हासिल की। वह पिछली एन बीरेन सिंह सरकार में उपभोक्ता मामलों के मंत्री रह चुके हैं। सत्यव्रत ने कहा कि वह सदस्यों की उम्मीदों पर खरा उतरने के लिए कड़ी मेहनत करेंगे और बिना किसी पक्षपात के अपने कर्तव्यों का निर्वहन विवेकपूर्ण तरीके से करेंगे। मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह और कांग्रेस नेता ओ इबोबी सिंह ने सत्यव्रत को उनके चुने जाने पर बधाई दी।

श्रीलंका की नौसेना ने 16 भारतीय मछुआरों को किया गिरफ्तार, समुद्री सीमा के उल्लंघन का आरोप

रामेश्वरम (आरएनएस)। श्रीलंका की नौसेना ने अपनी समुद्री सीमा के कथित उल्लंघन के आरोप में बृहस्पतिवार को 16 भारतीय मछुआरों को गिरफ्तार कर लिया। अधिकारियों ने यह जानकारी देते हुए बताया कि सभी मछुआरे तमिलनाडु के रहने वाले हैं। तमिलनाडु के मत्स्य पालन विभाग के अधिकारियों ने कहा कि मछुआरों की यह गिरफ्तारियां दो अलग-अलग घटनाओं में हुई हैं। इसके अलावा श्रीलंकाई नौसेना ने मछुआरों की दो मशीनीकृत नौकाओं को भी जब्त कर लिया है। अधिकारियों ने कहा कि 12 मछुआरों को कच्चातीवू के पास मछली पकड़ते समय गिरफ्तार किया गया जबकि बाकी मछुआरों को मन्नार की खाड़ी से पकड़ा गया। गौरतलब है कि श्रीलंकाई नौसेना ने फरवरी में अलग-अलग घटनाओं में तमिलनाडु के कई मछुआरों को गिरफ्तार किया था।

स्टालिन 4 दिवसीय यूएई दौरे पर जाएंगे

चेन्नई (आरएनएस)। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन गुरुवार को संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) की चार दिवसीय यात्रा पर जाएंगे। मई 2021 में पदभार ग्रहण करने के बाद उनकी यह पहली विदेश यात्रा है। यात्रा के दौरान, मुख्यमंत्री दुबई एक्सपो में इंडिया पवेलियन का दौरा करेंगे और राज्य के मामले को एक निवेश गंतव्य के रूप में आगे बढ़ाने के लिए कई विदेशी और भारतीय कंपनियों के कई सीईओ के साथ हाई-प्रोफाइल बैठकें भी करेंगे। स्टालिन 2019 के आम चुनावों के बाद से अपनी पार्टी की लगातार चुनावी जीत का हवाला देते हुए राज्य में बेहतर कानून व्यवस्था की स्थिति के साथ-साथ राजनीतिक स्थिरता पर प्रकाश डालेंगे। मुख्यमंत्री कार्यालय ने कहा कि दुबई में कुछ हाई-प्रोफाइल बैठकों के बाद स्टालिन अबू धाबी पहुंचेंगे जहां वह यूएई के शासकों से मुलाकात करेंगे। रविवार को स्टालिन की यात्रा समाप्त होने के बाद, उनके अधिकारियों की टीम व्यापार पर चर्चा करेगी। मुख्यमंत्री अपनी यात्रा के बाद के घटनाक्रम की निगरानी करेंगे और राज्य में अधिक निवेश के लिए आक्रामक तरीके से जोर देंगे और इसे दक्षिण भारत में सबसे अधिक मांग वाले स्थलों में से एक में बदल देंगे। स्टालिन का संयुक्त अरब अमीरात में तमिल प्रवासियों से भी मिलने का कार्यक्रम है और वह लोगों के कल्याण के लिए राज्य सरकार की नई योजनाओं और परियोजनाओं को साझा करेंगे।

पश्चिम बंगाल हिंसा : नादिया में तृणमूल नेता को गोलियों से भूना, हुगली में महिला पार्षद को कार से रौंदा

कोलकाता (आरएनएस)। पश्चिम बंगाल में हिंसा का दौर बढ़ता ही जा रहा है। अब बीरभूम जिले में हुई 10 लोगों की हत्या का मामला ठंडा भी नहीं पड़ा है और अब नादिया में एक टीएमसी नेता की गोली मारकर हत्या कर दी गई। घटना बीती देर रात हुई। मृतक का नाम सहदेव मंडल बताया गया है। वह नादिया जिले में टीएमसी के स्थानीय कार्यकर्ता थे। सहदेव की पत्नी अनीमा मंडल बगुला की पंचायत सदस्य है। उधर, हुगली के तारकेश्वर में तृणमूल कांग्रेस की महिला पार्षद को कार से रौंदने की कोशिश की गई।

नादिया में सहदेव मंडल बीती रात लहूलुहान अवस्था में सडक़ पर पड़े मिले। लोगों ने उन्हें बगुला के स्वास्थ्य केंद्र पहुंचे। हालत बिगडऩे पर उन्हें कृष्णानगर अस्पताल ले जाया गया, जहां ने दम तोड़ दिया। तारकेश्वर में महिला पार्षद रूपा सरकार को गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पश्चिम बंगाल में पिछले महीने नगर निकायों के चुनाव हुए थे। इसके बाद से लगातार राजनीतिक हिंसा की घटनाएं सामने आ रही हैं।

बीरभूम में भी हिंसा की शुरुआत टीएमसी के एक पंचायत नेता की हत्या से ही हुई थी। इसलिए आशंका जताई जा रही है कि बीरभूम के रामपुरहाट जैसी हिंसा कहीं नादिया में न हो जाए। रामपुरहाट में भादू शेख की हत्या कर दी गई थी। इसके बाद 21 मार्च को पूरे जिले में हिंसा भडक़ गई थी। इस हिंसा में 10 लोगों को जिंदा जला दिया गया है। इनके घरों को आग लगा दी गई थी। बड़ी संख्या में लोग घायल भी हैं।

बीरभूम हिंसा के मामले में कलकत्ता हाईकोर्ट ने स्वत: संज्ञान लिया है। वहां बुधवार को मामले की सुनवाई हुई। उधर सीएम ममता बनर्जी ने इस हिंसा को लेकर घिरने पर यूपी, राजस्थान, मप्र जैसे राज्यों में भी ऐसी हिंसा होने की आड़ लेकर बचने की कोशिश की। बंगाल सरकार ने बीरभूम हिंसा की जांच के लिए विशेष जांच दल बनाया है। इसका प्रमुख एडीजी सीआईडी ज्ञानवंत सिंह को बनाया गया है। बीरभूम हिंसा मामले में अब तक 22 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है।

रामपुरहाट हिंसा मामले पर कलकत्ता हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश खंडपीठ ने गुरुवार दोपहर 2 बजे तक राज्य सरकार से रिपोर्ट मांगी है। हाई कोर्ट ने जिला जज की मौजूदगी में सीसीटीवी कैमरे लगाने और घटनास्थल की चौबीसों घंटे निगरानी करने का भी निर्देश दिया है। हाई कोर्ट ने यह भी निर्देश दिया कि सीएफएसएल दिल्ली टीम को मौके से तुरंत जांच के लिए साक्ष्य एकत्र करे।

संविधान संशोधन विधेयक को राज्यसभा में पेश कर सकती है सरकार

नई दिल्ली (आरएनएस)। केंद्र गुरुवार को राज्यसभा में संविधान (अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति) आदेश (संशोधन) विधेयक, 2022 पेश कर सकती है। उच्च सदन में रेल मंत्रालय के कामकाज पर भी चर्चा समाप्त होने की संभावना है, और श्रम और रोजगार मंत्रालय के कामकाज पर चर्चा शुरू हो सकती है।

वहीं विपक्ष ईंधन की कीमतों में बढ़ोतरी का मुद्दा उठा सकता है।

केन्द्रीय जनजातीय कार्य मंत्री अर्जुन मुंडा प्रस्ताव करेंगे कि झारखंड के संबंध में अनुसूचित जातियों की सूची से भोगता समुदाय को हटाने के लिए संविधान (अनुसूचित जाति) आदेश, 1950 में और संशोधन करने के लिए विधेयक और संविधान (अनुसूचित जनजाति) आदेश, 1950 राज्य के संबंध में अनुसूचित जनजातियों की सूची में कुछ समुदायों को शामिल करने पर विचार किया जाएगा। मुंडा यह भी पेश करेंगे कि विधेयक को पारित किया जाए।

मंत्री रामेश्वर तेली पश्चिमी अपतट, ओएनजीसी में जल इंजेक्शन संचालन पर भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक की रिपोर्ट - केंद्र सरकार - पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय - 2021 की (अनुपालन लेखा परीक्षा) प्रस्तुत करेंगे।

केंद्रीय मंत्री अश्विनी कुमार चौबे, अर्जुन राम मेघवाल, एसपी सिंह बघेल, मीनाक्षी लेखी और नितीश प्रमाणिक विभिन्न मंत्रालयों से संबंधित कागजात रखेंगे। संसदीय समितियों से संबंधित विभिन्न विभागों की रिपोर्ट भी राज्यसभा में पेश की जाएगी।

एयरसेल मैक्सिस डील : पी चिदंबरम और उनके बेटे को मिली जमानत

नई दिल्ली (आरएनएस)। दिल्ली की एक विशेष अदालत ने केंद्रीय जांच ब्यूरो और प्रवर्तन निदेशालय की ओर से एयरसेल मैक्सिस सौदे के सिलसिले में दर्ज भ्रष्टाचार और मनी लॉन्ड्रिंग के मामलों में पूर्व केंद्रीय मंत्री पी चिदंबरम और उनके बेटे कार्ति को नियमित जमानत दे दी। सीबीआई और ईडी ने एयरसेल मैक्सिस सौदे के सिलसिले में श्री चिदंबरम तथा उनके पुत्र कार्ति के खिलाफ यह मामला दर्ज किया था। इससे पहले राष्ट्रीय एजेंसियों ने एयरसेल-मैक्सिस सौदे में विदेशी निवेश संवर्धन बोर्ड की मंजूरी में कथित अनियमितताओं से संबंधित मामले की जांच की, जिसे 2006 में तब अंजाम दिया गया था। उस समय चिदंबरम केंद्रीय वत्ति मंत्री थे। यह आरोप लगाया गया था कि जब चिदंबरम वत्ति मंत्री थे, तो उन्होंने अपनी क्षमता से अधिक सौदे को मंजूरी दी थी और कुछ लोगों को लाभान्वित कर रिश्वत हासिल की थी।

इस मामले में विशेष न्यायाधीश ने दोनों आरोपियों को कुछ शर्तों के साथ दोनों मामलों में एक-एक लाख रुपए के जमानत बांड भरने के साथ अग्रिम जमानत दे दी। जांच एजेंसी की ओर से चार्जशीट दाखिल करने के बाद अदालत ने संज्ञान लिया और अदालत में में पेश होने के लिए समन जारी किया।

पी चिदंबरम और उनके बेटे की ओर से वकील ने नियमित जमानत की अर्जी इस दलील के साथ दायर की कि आवेदकों ने जांच के समय जांच एजेंसी के साथ सहयोग किया है। राउज एवेन्यू जिले की विशेष अदालत ने दोनों मामलों में एक-एक लाख रुपए का मुचलका जमा करने की शर्त के साथ जमानत दे दी।

भारत और ओमान वैज्ञानिक व प्रौद्योगिकीय सहयोग के कार्यक्रम पर सहमत हुए

नई दिल्ली (आरएनएस)। भारत और ओमान कुछ क्षेत्रों में एक साथ मिलकर काम करेंगे। उदाहरण के लिए दोनों देशों के बीच विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में एक सहयोग कार्यक्रम (पीओसी) के तहत संसाधनों के स्थायी वैज्ञानिक उपयोग पर हस्ताक्षर किए गए हैं।

पीओसी के आधार पर 2022 - 2025 की अवधि के लिए कई क्षेत्रों को चिह्नित किया गया है। इन क्षेत्रों में औषधीय पौधे और प्रसंस्करण, रीयल-टाइम वायु गुणवत्ता निगरानी, आनुवंशिक संसाधनों के क्षेत्र में ज्ञान साझा करने के लिए एक इलेक्ट्रॉनिक मंच का विकास, स्थायी (इको-इनोवेट) त्वरक के क्षेत्र में एसएमई (लघु और मध्यम उद्योग) के लिए तकनीकी विशेषज्ञता, प्लास्टिक जैव-ईंधन व जैव-डीजल अनुसंधान (उदाहरण: निम्न-तापमान जैव-डीजल उत्पादन, तेल के साथ उत्पादित जल से उच्च मूल्य के उत्पादों का निष्कर्षण), स्नातक कार्यक्रमों के लिए सॉफ्टवेयर विकास - उद्योग को अकादमिक क्षेत्र से जोडऩा, ब्लॉकचेन व फिनटेक समाधान, प्रशिक्षण कार्यक्रम - बिग-डेटा, कोडिंग व परीक्षण, स्टीम (विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग, गणित) शिक्षण और विज्ञान व प्रौद्योगिकी सहयोग के अन्य क्षेत्रों को आपसी सहमति से इसमें जोडऩा शामिल हैं। 23 मार्च, 2022 को भारत सरकार के विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर व ओमान के विदेश मंत्री सैय्यद बद्र अलबुसैदी के बीच द्विपक्षीय बैठक के दौरान विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) के सचिव और ओमान के सुल्तान की सरकार की ओर से ओमान के विदेश सचिव ने इस पीओसी पर हस्ताक्षर किए। भारत सरकार की ओर से विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय के विज्ञान व प्रौद्योगिकी विभाग और ओमान के सुल्तान की सरकार की ओर से विदेश मंत्रालय के विज्ञान, ज्ञान व प्रौद्योगिकी हस्तांतरण कार्यालय क्रमश: भारत और ओमान के लिए पीओसी का पर्यवेक्षण, समन्वय और कार्यान्वयन करेंगे। इस समझौते के तहत दोनों देश आपसी हित पर आधारित भारत और ओमान की संस्थानों की संयुक्त रूप से विकसित वैज्ञानिक परियोजनाओं की सहायता करेंगे। इसके अलावा प्रयोज्य प्रौद्योगिकी विकसित करने के उद्देश्य से चयनित संयुक्त परियोजनाओं के कार्यान्वयन के लिए वैज्ञानिकों, शोधकर्ताओं, जानकारों और विशेषज्ञों के आदान-प्रदान को प्रोत्साहित करेंगे। इससे अनुसंधान के परिणामों का प्रसार होगा और आगे किए जाने वाले अनुसंधान व विकास कार्यों के लिए उद्योग जगत के साथ संपर्क स्थापित होगा। वहीं, 2022 - 2025 की अवधि के दौरान दोनों देश हर साल (एक साल भारत में, फिर अगले साल ओमान में) पारस्परिक रूप से स्वीकार्य क्षेत्रों में कम से कम एक कार्यशाला का आयोजन करेंगे।

ओमान सरकार और भारत सरकार के बीच 5 अक्टूबर, 1996 को विज्ञान और प्रौद्योगिकी में सहयोग के लिए किए समझौते के अनुरूप 2022-2025 की अवधि के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में सहयोग को लेकर पीओसी पर हस्ताक्षर किए गए।

माउंटेन टेरेन बाइकिंग और बाइसकिल मोटोक्रॉस के लिए भारत का पहला साई राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र शिमला में स्थापित होगा

नई दिल्ली (आरएनएस)। केंद्रीय युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय हिमाचल प्रदेश सरकार के युवा सेवा और खेल विभाग के सहयोग से माउंटेन टेरेन बाइकिंग में एथलीटों को प्रशिक्षित करने के लिए भारत के पहले एसएआई (साई) राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र की स्थापना के लिए तैयार है। भारत के साइकिल चालकों को विश्व स्तरीय प्रशिक्षण सुविधाएं देने के लिए एनसीओई की स्थापना की जा रही है, जिससे वे एमटीबी और बीएमएक्स से जुड़े 18 ओलंपिक पदकों के लिए प्रतिस्पर्धा कर सकें। समुद्र तल से 2000 मीटर की ऊंचाई पर,दुनिया में सबसे ज्यादा ऊंचाई पर स्थित प्रशिक्षण सुविधाओं में से एकइस केंद्र में विश्व स्तरीय बुनियादी ढांचा, एक अत्याधुनिक स्पोर्ट्स साइंस हाई परफॉर्मेंस सेंटर, ओलंपिक-स्तरीय ट्रैक और अंतर्राष्ट्रीय स्तर के कोच होंगे। यहां पर भारत के सर्वश्रेष्ठ साइकिल चालक और स्थानीय खेल प्रतिभा प्रशिक्षण ले सकेंगी। पहाड़ी इलाकों के लिए खेल की आवश्यकता और प्रशिक्षण के लिए उपयुक्त वातावरण के कारण, शिमला एनसीओई के लिए एक पसंदीदा विकल्प के रूप में उभरा है।

इस साई एनसीओई की स्थापना के साथ, हिमाचल भारत में एमटीबी और बीएमएक्स प्रशिक्षण का पथप्रदर्शक बन गया है और दो साइकिलिंग विषयों के लिए भविष्य की विश्व चैंपियनशिप के लिए एक संभावित स्थल बन गया है। ओलंपिक स्तर की तैयारियों के लिए लगभग 200 साइकिल चालकों को प्रशिक्षित करने की क्षमता वाले एनसीओईमें1 एक्ससीओ ओलंपिक स्तर ट्रैक, विशेष सुविधाओं के साथ 1 प्रशिक्षण ट्रैक, 1 बीएमएक्स ट्रैक, 1 अत्याधुनिक इनडोर व्यायामशाला और हॉस्टल की सुविधाएं होंगी। इसके अलावा वर्चुअल प्रशिक्षकों के साथ एक इनडोर सेटअप, 100 एथलीट, कोच और सहायक कर्मचारियों के लिए छात्रावास की भी सुविधा। साथ हीइनडोर रिकवरी पूल, स्ट्रीम और सौना, स्ट्रेंथ और कंडीशनिंग हॉल, बायोमेच लैब, फिजियोथेरेपी, एंथ्रोपोमेट्री जैसी अत्याधुनिक सुविधाओं के साथ खेल विज्ञान के लिए यह एक हाई परफॉर्मेंस सेंटर होगा। यहां पर एथलीटों के प्रशिक्षण के दौरान उपयोग होने वाले ब्रीथ और लैक्टिक एनालाइजर्स, हार्ट रेट मॉनीटर, ट्रेडमिल, साइकिल एर्गोमीटर जैसे महंगे उपकरण भी उपलब्ध होंगे। 23 मार्च, 2022 को एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर के साथ इस विश्व स्तरीय सुविधा को स्थापित करने के लिए केंद्र और राज्य के बीच सहयोग को औपचारिक रूप दिया गया था।

सरकारी इंजीनियरिंग कॉलेजों में कोई सीट खाली नहीं : मंत्री

नई दिल्ली (आरएनएस)। संसद में बताया गया कि देशभर के सरकारी इंजीनियरिंग कॉलेजों में एक भी सीट खाली नहीं है। कर्नाटक से भाजपा के राज्यसभा सदस्य के.सी. राममूर्ति ने रिक्त सीटों की संख्या पर शिक्षा राज्यमंत्री डॉ. सुभाष सरकार ने कहा कि वर्ष 2019-20 से 2021-22 तक सरकारी इंजीनियरिंग संस्थानों में स्वीकृत सीटों की संख्या में लगातार वृद्धि हो रही है।

उन्होंने कहा, एआईसीटीई ने नेशनल एजुकेशनल एलायंस फॉर टेक्नोलॉजी (एनईएटी) नाम से एक पोर्टल शुरू किया है, जिसका उद्देश्य युवाओं की रोजगार क्षमता को बढ़ाने के लिए शिक्षा प्रौद्योगिकी में सर्वश्रेष्ठ तकनीकी समाधान लाना है। ये समाधान बेहतर सीखने के परिणामों और कौशल विकास के लिए व्यक्तिगत और अनुकूलित सीखने के अनुभवों के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग करने को प्रेरित करते हैं।

सरकार ने यह भी कहा कि सरकार देश के सभी कोनों में समानता, गुणवत्ता, सामर्थ्य और पहुंच के साथ शिक्षा प्रदान करने में सक्षम है।

एक पूरक प्रश्न के उत्तर में उन्होंने कहा कि कोविड-19 प्रेरित लॉकडाउन के बावजूद देश में इंजीनियरिंग के छात्रों के प्लेसमेंट में कमी नहीं आई है।

नेहरू युवा केंद्र संगठन और राष्ट्रीय सेवा योजना ने देशभर के 623 जिलों में शहीद दिवस मनाया

नई दिल्ली (आरएनएस)। आजादी के अमृत महोत्सव के क्रम में युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय के युवा कार्यक्रम विभाग ने 23 मार्च, 2022 को देशभर में शहीद दिवस मनाया, जिसमें नेहरू युवा केंद्र संगठन (एनवाईकेएस) से जुड़े युवा क्लबों तथा राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) से सम्बद्ध विश्वविद्यालयों तथा कॉलेजों के युवा स्वयंसेवियों और सदस्यों ने बड़ी संख्या में भागीदारी की। शहीद दिवस एनवाईकेएस के 623 जिलों और एनएसएस से जुड़े 457 विश्वविद्यालयों के अधीनस्थ कॉलेजों/संस्थानों में मनाया गया। याद रहे कि 23 मार्च, 1931 को भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव को फांसी दे दी गई थी। इन वीर युवा क्रांतिकारियों तथा हमारे देश के महान सपूतों के सर्वोच्च बलिदान की याद में देशभर में हर वर्ष 23 मार्च को शहीद दिवस मनाया जाता है। इस बार शहीद दिवस आजादी के अमृत महोत्सव के दौरान आया है, जिसके आधार पर एनवाईकेएस तथा एनएसएस द्वारा आयोजित शहीद दिवस का महत्त्व और भी बढ़ जाता है। इसकी विषयवस्तु क्रांतिकारियों को श्रद्धांजलि था। विषयवस्तु के मद्देनजर शहीद दिवस 2022 के दौरान नेहरू युवा केंद्र संगठन और राष्ट्रीय सेवा योजना ने देशभर के 623 एनवाईके जिलों तथा एनएसएस से सम्बद्ध विश्वविद्यालयों तथा कॉलेजों/संस्थानों में क्रांतिकारियों के योगदानों को याद किया गया। इन कार्यक्रमों के माध्यम से इन स्वतंत्रता सेनानियों के जीवन, कार्य और दर्शन के बारे में जानकर युवा पीढ़ी कृतज्ञता, गौरव, सम्मान और कर्तव्य की भावना से ओतप्रोत हुई। इनकी जीवनी से युवा प्रेरित हुये तथा उनमें देशप्रेम और राष्ट्रप्रेम की भावना का संचार हुआ। वे सभी राष्ट्र निर्माण की गतिविधियों में स्वयं को संलग्न करने के लिये प्रेरित हुये।

मंदिर मेले में मुसलमानों को नहीं है दुकान लगाने की इजाजत, कांग्रेस ने सरकार पर बोला हमला

बेंगलुरु (आरएनएस)। कर्नाटक के मेंगलुरु के पास बप्पनाडु दुर्गापरमेश्वरी मंदिर के वार्षिक मेले में मुस्लिम व्याारियों के स्टॉल लगाने पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। इस घोषणा के बाद कर्नाटक कांग्रेस नेता यूटी खादर ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाली राज्य सरकार की चुप्पी पर सवाल उठाया है।

खादर ने कहा, भाजपा सरकार इस मुद्दे पर चुप है। भारत विविधताओं का देश है और इस तरह के घटनाक्रम राष्ट्र की अखंडता को तोड़ते हैं।

समाज को बांटने की हो रही कोशिश : कांग्रेस

विधान सभा के उपनेता ने आगे कहा कि देश में सभी धर्मों के लोग साथ-साथ रहते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ लोग धर्मों के बीच खाई पैदा कर रहे हैं। खादर ने पोस्टरों को घृणित बताते हुए कहा, निहित स्वार्थ वाले कुछ लोग कर्नाटक के तटीय इलाकों में इस तरह के घृणित बैनर और पोस्टर लगा रहे हैं। वे समाज में अशांति और नफरत पैदा करना चाहते हैं। कांग्रेस नेता ने लोगों से मुस्लिम व्यापारियों पर अंकुश लगाने के आह्वान का समर्थन नहीं करने की भी अपील की।

कर्नाटक सरकार नहीं कर रही समर्थन : मंत्री- हालांकि, कर्नाटक के कानून मंत्री जेसी मधुस्वामी ने कहा है कि राज्य सरकार प्रतिबंध को प्रोत्साहित नहीं करती है। उन्होंने आश्वासन दिया है कि उपद्रवियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। मधुस्वामी ने कहा, सरकार मंदिर के मेलों से मुस्लिमों के किसी भी प्रतिबंध को प्रोत्साहित नहीं कर रही है। अगर परिसर के बाहर बैनर लगाए गए हैं, तो हम कार्रवाई करेंगे। इस बीच कर्नाटक राज्य अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष अब्दुल अजीम ने कहा कि मंदिर के वार्षिक मेले में गैर-हिंदुओं को दुकानें नहीं लगाने देने के उडुपी मंदिर के फैसले के संबंध में बातचीत हो रही है। तटीय कर्नाटक के उडुपी जिले के कापू शहर में मारी गुड़ी मंदिर प्रबंधन ने कथित तौर पर कुछ संगठनों के अनुरोध पर वार्षिक मंदिर उत्सव के दौरान अन्य धर्म के लोगों को अपनी जमीन पर व्यापार करने की अनुमति नहीं देने का फैसला किया है। पूरे कर्नाटक में विभिन्न मंदिरों के आसपास इसको लेकर पोस्टर लगे हुए हैं।